



# सोम लता

रघुनाथ कौल (दास कश्मीरी)

284, कौल निवास

सनत नगर, बाइपास

श्रीनगर (कश्मीर)

श्री महादेव जू भान, खज बाग, बारामुला (कश्मीर)  
तथा श्री स्वामी महेश भारती ऋषिकेश (हरिद्वार)  
के सौजन्य से इस यज्ञ को सम्पूर्ण आहुति मिली ।

1988

प्रथम बार ५००

मूल्य केवल श्रद्धा

सर्वाधिकार लेखक के पास सुरक्षित है ।



| सं० | विवरण                       | पृष्ठ |
|-----|-----------------------------|-------|
| —   | —                           | —     |
|     | प्रस्तावना                  | i     |
| १   | आदि दीव                     | 1     |
| २   | गुरुस्तुति                  | 2     |
| ३   | रा'जायि रोदुम दामन          | 3     |
| ४   | राम - कृष्ण                 | 5     |
| ५   | ध्यान                       | 7     |
| ६   | दीवियि जार, पार             | 9     |
| ७   | वन्तो कति प्रारम            | 10    |
| ८   | मा'जय वन्तसि म्यौन          | 11    |
| ९   | हटिकुय वन्वसय मथ            | 13    |
| १०  | हिमालय पर्वतच राजर्येज      | 15    |
| ११  | शैल-पुत्री (व. मुल)         | 16    |
| १२  | जानान बला यूय               | 18    |
| १३  | बलो यूय श्री राम            | 20    |
| १४  | करयो मन-पम्पोशन मालय        | 22    |
| १५  | वणव देवी                    | 24    |
| १६  | लुलि मंज करयता गुरु         | 27    |
| १७  | भगवानो रोजतम सहाये          | 28    |
| १८  | पान पर्जन्याविथ             | 32    |
| १९  | मन सुरतन हरे नारायण         | 34    |
| २०  | दामन, रोट म्य चोनुय         | 35    |
| २१  | क्याजि चोलहम                | 37    |
| २२  | श्रीराम वापस अयोध्या में    | 39    |
| २३  | मंजलय लीला                  | 41    |
| २४  | कृष्ण डेशोम                 | 44    |
| २५  | टाठि लालो                   | 46    |
| २६  | माऽज्य जाला                 | 48    |
| २७  | अमरनाथ यात्रा               | 49    |
| २८  | लोलुक - जर                  | 53    |
| २९  | आराधना                      | 54    |
| ३०  | प्रार्थना                   | 56    |
| ३१  | स्वामी कराल बाब की सेवा में | 58    |



## प्रस्तावना

श्रीरघुनाथ कौल बचपन से मेरे मित्र रहे हैं। मुझे याद है कि जब कभी हम दोनों उनके गांव (सूनिम, जिला बारामुला, कश्मीर) में या श्रीनगर में मिलते तो कहीं पास के निर्जर स्थान में घूमने जाते या किसी एकान्त स्थान पर बैठने का अवसर पाते थे। घण्टों चलते या बैठे रहते। इस सर्गति में हम क्या वार्तालाप करते थे, यह कहना अब कठिन होगा। परन्तु संस्कार बश इतना कहने में कोई आपत्ति नहीं कि हम सत्सगवार्ता में ही व्यस्त रहते थे। साथ ही अपनी अपनी आप भीती एक दूसरे को सुनाते और अपने को हल्का महसूस करते।

संसार की स्वाभाविक उथल-पुथल से गुजरते हुए भी हमारी यह शुद्ध मित्रता बनी रही। अपनी अपनी वृत्ति और अपने अपने गृहस्थ में व्यस्त होते हुए भी कभी कभी एक दूसरे की याद हमें सताती थी। तभी एक बार मैंने उन को पत्र लिखा था :-

बस

इतना ही था प्यार सखे।

जाल नहीं जब वुन पाये थे

चिर-परिचित से हम आये थे

चिर सहचर रह रह कर प्यारे

अब बिरहानल धार सखे—इतना ही०



यौवन-श्रम से तिनके लाये  
 हमने, तुम ने नीड़ बनाये  
 इन नीड़ों के अन्तर्हित में  
 बाहर भूले प्यार सखे...०

कोयल की वह कूक मनोहर  
 सुनने में भी भूल हुई क्या ।  
 कार्गों के कांय कांय में  
 दिन का होता वार सखे...०

बीणा के दो तार मिले थे  
 मिलकर पहली बार हिले थे  
 फिर भी क्या मस्ती में होगा  
 जीवन का उद्धार सखे...०

कोयल आई पीले आये  
 घन भी अम्बर को नहलाये  
 इस उर में अब कब आयेगा  
 भूला सा वह प्यार सखे...०  
 बस, इतना ही था प्यार  
 सखे ।



अस्तु हमारा सौजन्य इस वृद्धावस्था तक भी एक दूसरे को सन्तोष देता रहा है। हम अपने को कवि कहलाने का साहस तो नहीं करते, परन्तु भावुकता की गम्भीर अनुभूति में जो कुछ भी हृदय की छलकन बाहर गिरती है वह रोके रुक नहीं सकती।

श्री रघुनाथ जी ने अपने भावों का प्रदर्शन कई कविताओं में किया है जो वे मुझे समय-समय पर सुनाते और आनन्द-विभोर बनाते रहे हैं। इस प्रकार अब तक उनकी कविताओं की कई पुस्तिकाएं छप चुकी हैं और जिस महंदय जन ने उन्हें पढ़ा उसने मुक्तकण्ठ हो सराहा। अब तक उनके छपे संकलन यह हैं...

१. शारदा प्रसाद २. मणि माला ३. कुसुम लता

अब रघुनाथ जी अपने अनुभवों तथा मर्म-स्पर्शों उक्तियों को एक और गुच्छ में प्रस्तुत करने जा रहे हैं। इसका नाम 'सोम लता' निश्चय-पूर्वक ही रखा दीख पड़ता है। पारमार्थिक सोम अर्थात् अमृत की लता का आश्रय लेने से ही जीव गथाय सुख-शान्ति द्वारा अमर-भाव को प्राप्त कर सकने का प्रयत्न कर सकता है। यही उसके सर्वदुःख निवृत्ति और परमानन्द-प्राप्ति का साधन है। अतः उनका यह प्रयास इस विधा में सराहनीय है।

अपने सात्त्विक बिचारों को प्रकट करने में मत्त को किसी सन्त अथवा सज्जन से प्रेरणा अवश्य मिलती है।



रघुनाथ जी को यह प्रेरणा स्व० श्री नीलकण्ठ जी (डब ग्राम निवासी) से कृपा-पूर्वक प्राप्त हुई है। अतः इन के वाक्यों में माधुर्य और आकर्षण होना स्वाभाविक है।

विज्ञ लेखक ने यह पद्य - पंक्तियां रामायण तथा भागवत् महापुराण से विषय चुन चुन कर अपने आध्यात्मिक जीवन में कुशलता से जोड़ दी हैं। लगता है कि इन पुराणों के पात्रों द्वारा उन्होंने अपने आध्यात्मिक जीवन की अभिव्यक्ति की है और इस प्रकार अपने आराध्य देव को रिझाने का प्रयत्न किया है।

यह पद्य - गीत कश्मीरी भाषा में समय समय पर उर्दू तथा देवनागरी दोनों लिपियों में छपते रहे हैं जिस से अधिक जनता को लाभ मिला होगा। इस पुस्तिका 'सोमलता' को भी देवनागरी पाण्डु - लिपि में बनाने का श्रेय मुझे मिला। लिखाई में देरी होने से इस पुस्तिका के छपने में अवश्य विलम्ब हुआ। इस के लिए क्षमा प्रार्थी हूं। पर जनता जितना अधिक इन विचारों को हृदयगम करेगी उतना पुण्य - भागी मैं अवश्य हूंगा।



ॐ श्री गणेशाय नमः

नमः श्री गुरुपादुकाभ्याम्

## १ आदि दीव

आदि दीव, सुरहत च हर दमन  
नमन .चे छियना सा'रिये

फिकिरि सूत्य क्षण क्षण प्राण छिम मे हरन  
गा'मच मे बुद्ध हा'य हा'रिये  
अनजानस केह मन छुम्न शमन ॥ नमन०

संसार,कय भूग खुश छिम मे यिवन  
पाप,कय ख'त्यमत्य भ'ारिये  
अहंकार मद-होस्त मे छुम्न हमन ॥ नम०

वा'स सा'र गयम होशि छुस डलन  
कालन्य मे वा,चम वा'रिये  
बूझिथ त डीशिथ ब, छुस चमन ॥ नम०

गर-बार शुर्य-बा'च बुद्धय बुद्धय म्या'निय  
सामान छुमना मे जा'रिये  
मायाजालकयन जाल्यत ब भ्रमन ॥ नमन०

छुक च,य दयावान नाव छुय भगवान  
क्याह मेति बोज विल'जा'रिये  
मुश्किल आसान दूर कर मे गमन ॥ नमन०



अज्ञान निवार्तम, वथ मे हावतम  
कास्तम च सा'रय खा'रिये  
दास गज, रावतम, दूष कर मे शमन ॥ नमन

वृषवस खसिथ छुख ह्यथ वुमा द्रामुत  
आमुत च बडि दरबा'रिये  
हरमुख पर्वत करवुन च रमण ॥ नमन०

दीवादिदीवस चयय परम शिवस  
यछ पछ भरान आय सा'रिये  
रुघनाथ दासस ति फुलराव चमन  
नमन चे छियना सा'रिये ॥



## २ गुरुस्तुति

सत्गुर, लगयो छम चा'ज लादन ।  
पम्पोश लागय दुन पादन ॥

च,य छख गुरो च'य छुक ब्रह्मा,  
च,य विष्णो महेश ह्यथ उमा ।  
डीडचवोअ गणपत करान चा'ज साधन ॥०

च,य छुक दयाये हुन्द सागर  
च,य शक्तिमान आ'सिथ दिगम्बर  
त्राव अमृत वर्षुन युथ ब. शेहलाव, तन०

छुस जन्म जन्मन हुन्दुय ब त्रेशहोत  
पननि अथ त्रेश चाव युथ फेर पोत  
जोर बोज वार, पा'ठय म्याजन नादन ॥



च'य शु'राह कलायि पूर छुक सम्पूरण  
 छुक जगत पालन त्रे कारण  
 राग, जानि सूत्य पोत्र बुजि नाग, रादन०

असार संसार छ'लराबान भ्रम  
 अनि गटि मंज, य गोमुत ब, गुम  
 टोठतम सदा श्यामरूप बुछ, हन हन०

तिछ बया करतम निर्मल बत्रम मन  
 द्यव, यिन, गछनस गछिहेम छचन  
 ब'ति महादेवस कल, वन्द पादन०

दासो पान वथराव गुर, पादन  
 कन थार'विय च्यति फर्यादन  
 रुघनाथ हस थाव यिमन सम्बादन  
 पम्पोश लागय दुन पादन ॥



### ३. रा'जायि रोडुम दामन

रा'जायि सुब, शामनय ब, मोठय दिमना नामन, य  
 चूनि जरसय जामन, य म्य स्यद करि मनिकामन, य  
 तुलमुलि छक थानस मनि मंज भास अनजानसय  
 पान वन्दहय मुकामन, य म्य स्यद०



सुनसुन्द च्योन मन्दर, शुभान छक च, य तत् अन्दर  
मुक्तजालार, बामन, य म्य स्यद०

अमर्यतकिस कुण्डस, य भक्त्य ईवान छि बछिनि तिय  
रग, रंग, रूप नामन, य म्य स्यद०

श्रवण करिथ ध्यान धारान, पूजा करान यिम लोलसान  
प्रावान छि विश्रामन, य म्य स्यद०

मीठच दिमहय पादन, य करतम क्षमा अपराधन, य  
अ, छ ब, जरह ब सामन, य म्य स्यद०

केह न्यथ योत् छिय यिजान, केह व्रत चोनुय छिय धारन  
आरति ति सुब शामन, य म्य स्यद०

यिम यमि भाव, योन यिवान, फलस तिम तत छिय निवान  
स्यद बनान छल कामन, य म्य स्यद०

गोमूत छस ब बेबस, मांज्य हाल वत्र भाव, कस  
लोग मुत छुस ब, पामन, य म्य स्यद०

कास न, असि वत्र व्याघ च, य दीवो बोज त, असि नादच, य  
पुक्त सपदाव खामन, य म्य स्यद०

सार्यन, य दित, दर्शुनुय, आव अमर्यतकुय वर्षुनुय  
दिल फुलन खास, आमन, य म्य स्यद०

माल, कर, मनपोषन, य म्य मत, डालतम होशव, य  
गोश म्य थव गुणग्रामन, य म्य स्यद०



दासस छु अमिताभ यिय  
 दशुन हाव प्रकाश च,य  
 रुघनाथन रोडुय दामन,य  
 म्य स्यद कर मनिकामनय ॥



### ४ राम - कृष्ण

राम, रूप, छांडोन डण्डकवन  
 कृष्णरूप, छांडोन बिन्दरावन

अ-दोरुय यि संसार सोरुय ज्ञान  
 दशरथस,य खच शापण हान  
 क्षण, क्षण, दिन, दिन, राम, राम, वन — राम, रूप०

बीवकियि मातायि युस छु जामुत  
 नन्दगोयुन घर सु छु चामुत  
 स्वर्गद्वार सपत्रव बिन्दरावन—कृष्ण रूप०

कीकियि मन,सय बोथे यि खयाल  
 राजस करनय बहय चाल  
 भरत जी राज, बनि राम गल्लि वन ... राम रूप  
 गूपियन सृत्य ओस खेल मारान



राधायि सूतिन रास खेलान  
दीवता आ'स्य पोष-वर्षुन करन ... कृष्ण रूप०

दशरथराज, करनोवनय प्रण  
कीकियि सावधान थोव अद मन  
राम, जुव वनवास चुदाहन वर्यन ... राम रूप०

बलभद्र, र बोय ह्यथ ओस फेरान  
असरम सायन'य ह्यतिनय प्राण  
जसदा माता आ'स खोचन ... कृष्ण रूप

सीता माता राम लक्ष्मण  
बुर्ज जाम, बलिथ गय तिम वन  
दशरथराजस क्याह छु सा'पनन ... राम रूप०

गूर्य शूर्य त गूर्य बायि आस, नचान  
जसदा माता आ'स बुलसान  
सास, मुख गीत गेव्य शीशनागन ... कृष्ण रूप

मातामाल, भरुन लारान आव  
भगवान जोनुन त, कोनस भाव  
यम्य जोन पोझ-अपुझ सु छ सत - जन ... राम रूप०

राक्षस त, दत्य कम कम वा'तिय  
भगवान जोनुख त, गय मूक्षी  
कंसस मारवुन यूर्य अन्तन .. कृष्ण रूप०



ज्ञान आव भरतस त, क'रनस क्राव  
 वन, मंज, रामस ह्य'चन्य खाव  
 तखतस खाव थ'वन त पान, व्यूठ बुन ... राम, रूप०

यिथय पा'ठ्य वक्त, वक्त, वेष धारण  
 परीक्षत राज, सावधान थाव मन  
 सप्ताह पारायण कोर शुकदीवन ... कृष्ण रूप

सा'रिय क'र्यतोस जय जयकार  
 दधव, - भवसर, मंज, लभहव तार  
 पान वन्द कृष्णस त, राम छु वनन ... राम, रूप०

रुवनाथ प्रारान दासस तल  
 मनमूहनन मन करुम निमल  
 सत-रूप स'च चानि वनि सत - जन ... कृष्ण रूप०



## ५ ध्यान

ओंकार रूप, सुरतन चय नाराण  
 अन्त, समयस ज्ञान थाविय क्य भगवान

गुड़, गणपतजियस कर नमस्कार  
 युस छ सार्यन, य कारन दिवबुन तार  
 बल्लमायि-सूत्य क्याह छु शुमायमान ॥०



गुर छु ब्रह्मा विष्णु व्ययि महेश्वर  
कर हरदम यिहुन्दुय च'य आ'चर  
अञ्जलि गण्डित रोज, गछिय सार्यचिय ज्ञान ॥०

व्रषमस खसिथ ह्यथ उमा सूत्य सूतिय  
बडि दरबार आमुत छु पान, शिवजी  
मक्तिजनय पानय छु रक्षा करान ॥०

शीषनागस प्यठ छुय पान, विष्णु  
बुछ चतुर्भुज रूपस लगहस बां  
लक्ष्मी जी पादन मुठ छस दिवान ॥०

जय त, विजय आसवज्य तस छि पहरदार  
अष्ट - सिद्धि सूत्य छस स्व'दमत - गार  
नाभिकमल, मंज, ब्रह्मा द्राव शानिशान ॥०

काम क्रुध लुभ मूढ़ अहंकार च'य' त्राव  
नव द्वार थाव धन्ध वज्य कर म. टाव टाव  
शम, दम, यम, जेम, रठ मन तय प्राण ॥०

कुकिलि हिन्ध बा'ठ्य चय कर गोविन्द गू  
अजपाजप न्यथ कर सोऽहं सो  
ह्यस या'विथ प्रावक चय नव-निधान ॥०

वस सोदरस होशि साम ओष प्रावक  
आयि आमुत लाल चय यिन, रावरख  
लाग डूंगल कर वज्य चय ति मान-मान ॥०



कर कर्म, फल निश रोज चय निमल  
ख्यल वथरस बुद्धि मा लारान जल  
वासनायस मोड फिर था'विथ ध्यान ॥०

भवनाये रोज कर मगवत्-ध्यान  
रघुनाथो सुरतो चय मगवान  
दासभावय नेरिय सोर अरमान  
अन्त समयस ज्ञान थाविय चय मगवान ॥



## ६. दीवियि जार, पार

दीवी कास्तम मूह - अन्धकार  
बोजतम चय जारपार ॥

तंग ओननस संसारन, डळिज रोजान छुम्न मन ।  
दोह दर गोम सूरुम लुकचार ... बो०

मंज दययाव, ईरबुध नाव, विषयन हुन्द पत, वाव ।  
अथ रटिथ, य चय म्य बोठ खार ... बो०

कृठ दोह गोम ज्युठ व्यवहार, पोत फेरनस छुम्नवार ।  
वच चालिथ ह्यकन, यूत बार ... बो०

थोद तुलतम करतम सत, बीठमच छम म्य वथ कथ ।  
चन्द छोन छुम अथि छुम्नहार ... बो०



भक्ती दिम पुक्त बनि खाम, युथ प्राधहा मूक्तधाम ।  
करतम दया छक च, मुक्तार ... बो०

शिव-शक्ति न रोज्ञान भिन, कुस ह्यकि करिथ वर्णन ।  
भक्तन छक दिवान मूक्तद्वार ... बो०

खिव च जाला हारि पर्वत, तुलमुलि राजा च सत ।  
इष्ट दीवी म्योन छुय नमस्कार .. बो०

नाव चोन छुय सहस्रनाम, नित परहा सुव श्याम  
चय मोल - मांज चय धन - द्यार ... बो०

आसवुन छु चोन बोड़ दरवार, मुकलायान च यकवार,  
मांज मोरुय छुय च यखित्यार ... बांजतम०

दास-वत्सला छुय बनान चैय, रघुनाथस गल्ल त द'य  
क्या गल्लिय कम यियतनय आर ... बो०



### ७. वन्तो कति प्रारस

बुद बुद म्यान बोबोश वन्तो भगवानस  
नादन ग्य थाविना घोष — वन्तो कति प्रारस ॥

बाग बन्योम मंज माघस, आसुन गोछ बहारस,  
फुलबनि सोन्त यियि ओश ... नत क्या कर हरदस ।



चमनवार क्या बना'ध्यमस, शोक सान व्योल वोंवमस  
जाफयं त व्ययि अल्ल-पोष ... रोशिमोत यियिवन मस ।

गुल त गुल्जार लोग्यमस, वेरि तहजिसम शुतमस,  
यछि पछि सोम्बरिथ बोश ... शेरि लाग श्रीरामस

काम क्रूध लूम मूहस, कर क्या पथ कोरहस  
अहंकारन शुतनम म्य जोश ... दया तुहंजल्लम म्यवस ।

दंशुन हावि अनाथस, सय्य ह्यथ रघुनाथस  
दासस ति त्यलि खसि बोश ... यलि तसति जार बोझहस ।



## ८. मा'जय वन्तसि म्योन

आश - तोष नाव लूस

करिना उदार सोन

मा'जय वन्तसि म्योन, मा'जय वन्तसि म्योन ।

लुकचार प्रोवम वावुन रोवम

वद - मस्ती ति प्रावम

वज आम बुजर त्य याद प्योम नुद्द बोन०

काम क्रूध लूम मूह अहंकार मस चोम

वाद कोरमुत गशिथ गोम

चय याद पावतस शेरिना म्य कम लोन०



अन्ध सन्ध पा'ठय संसारकिस चक्रस  
 फीयं फीयं आम्न केहति हस  
 नेरनुक उपाव करि, केह लोबुम्न दर चीन ... मा०

बन्द छुस गोमुत पापव बोलमुत  
 छुस शर्मि सयत्य गोलमुत  
 मुकलाव्यमना छुस नाऽव बन्द चीन ... मा०

हीमाल .पर्वतस प्यठ रोज्ञान छुय  
 मृग-चम त बस्मा मलिथय छुय  
 चानि सयत्य प्रजल्योव योहोय छुय मोल सोन ... मा०

सृष्ट-ध्वत-संहार कारक युस छुय  
 पालना करवुन जगतस छुय  
 आद्य अन्त अम्यसुन्द काऽसि नय प्रजनोव ... मा०

हटि वासुक कल-माला ना'ल्य छस  
 डयकि चन्द्र भटि गंग वमान छस  
 त्रिशूल धारी युस छुय आसवोन ... मा०

हरमुख परवत सयत्य छस हा'रो  
 वषम-बाहन फेरान चोपा'रिय  
 नीलकाण्ठ भक्तयन छुय सुय रखवोन ... मा०



मक्तवत्सल नाव छुस भटा धाऽरी  
 वीद पुराण वखनान - आय साऽरी  
 अथ शिव - नावस वन्दसय कबील - क्रोन ... मां०

शिव - शिव जपवन्न सा'रिय यलि आय  
 मनसय थाविथ अम्यमज राय  
 म्यति याद करिना चलिहे म्य जूनि प्रोन ... मां०

कुस ह्यकि करिथ अम्यसुंज तुता  
 वीदवान आस्वतन कांहति कोहताह  
 मुखमन क्याह कार यस आसि अथ छोन ... मां०

आशावान आस दास भऽ तल चयय  
 दशुंन हाव्यम ना चलिहेम म्य खय  
 क्या रुघुनाथस त्राविना मलाल प्रोन  
 माऽजय वन्तसि म्योन ॥



### ६. हट्टिकुय वन्दसय रथ

मलाल, त्रा'विथ दशुंन दियिना  
 हट्टिकुय वन्दसय रथ,

सालाह करिना यथ दिल - बागस  
 बुलबुल बऽ तति जागस  
 मन ना'विथ अनन गुल्जार छाविना — ह०



यच्चकाल गवना बालि म्य प्रारान

खूनि - जिगरस हारान

हीथर बर गयस पायस प्योयना — हव

ल्यूखुम क्या दय यथ म्यानिस ड़यकस

दूयय किथ ज़रिथ ह्यकस

वेदार किथ ज़रिथ ह्यकस

हटिके रत,सय्य नामय लेखस

श्याम सुन्दर कृष्णगन्धरस

वीलज़ार बोज़िनायूर्य मे यियिना — ह०

फिगाक थोवनम यथ म्या'निस मनस

श्रावग्य शीन गाजनस

मीन छम दीन ज़न नदि ज़ल फेरिना — ह०

सुय आकाशस सुय पातालस

सुय जंगलस बालस

मनि आसिथ सुय वनि मे यियिना — ह०

दि यना दशु'न पननिस दासस

तीज़ो - वनवासस

गणिशि घठ छारिथ शारदायि यियिना — ह०





## १०. हिमालय पर्वतच राजर्षेज

हीमाल पर्वतच छखय राजर्षिनिये  
हारिये बोजखना जार साऽनी

त्ययत्रह करोर दीव व्यथि सत-ज्ञानी  
अन्य अन्य रुज्जिथ गीथ ग्यबानी  
गणपत डेडि प्यठ पहर दिवानी — हा०

प्यठ गोशस छख पाम रोज्ञानी  
सिंहस खसिथ क्याह शूबारी  
अरदाहव बुज्जव छखय बागराबानी .. हा०

स्यद् पीठ अति छुय युसति ज्ञानानी  
प्रद्युम्न पीठ व्यथि छुस लेखानी  
छुय नमस्कार सोत शारिका मबानी ... हारिये०

केंह लारि ननबायं योत छि यिवानी  
केंह सहस्रनामी छिथ परानी  
केंह व्रत चोनुय साऽज्जिय घरानी .. हा०

अलम चानि लछि-बज्ज क्या छे ताबानी  
कुब मन्दरुक क्या जोता'नी  
तिय वुछ वुछ मन असि छु लुमानी ... हा०



नाव चीन सुन्दर आनन्द दिवानी,  
 पद्म - वादन हंज दित असि ति ज्ञानी,  
 पाप गाल शाप कास ही महारानी,  
 हारिये बोजखना जार सानी ।

नित प्रवातस दोरान दवानी  
 लोल - पोष ह्यथ इवान छिय परानी  
 यस छे यि इच्छा तस ति छख दिवानी  
 हा'रिये बोजखना जार साती ।

योदवय कु-पुत्र माजि आसानी  
 माऽज छन तत कुन जाह बुझानी  
 हर दम रोजान छेख मेहरबानी ... हा०

रुघनाथ दासस तल प्रारानी  
 मन किञ्च प्रदिक्षण छुय दिवानी  
 थावतस मंजूर छख च लासानी  
 हारिये बोजखना जार सानी ॥



### ११. शैल-पुत्री (वरमुल)

शैल पुत्री लगय चा'निस नावस ।  
 दशु'न चाग्युक छुम म्य हावस ॥



छारनि द्रायोस गाम - शहारस

पय आम वरमुलि छव च थानस

डेडि प्यठ गणपत व लगस नावस ... द०

अन्य अन्य कोह त बाल लगिमत्य छि दावस

ज्य करोर तीर्थ - जल तन व, नावस

सीर नन्दकीश्वर लगान जेठ - मावस ... द०

मेल क्या लगान बुछ कूटी निथंस

कनि - माजि ग'छय जे दरशनस

तार दिजि बुदमति बुछ नर सिंहस ... द०

बित्र श्राद करिथ प्यण्ड भाव निथंस

गंग-जल चथ खस गुसा'न टेंगस

तति सत कुण्ड बुछिथ नम राम-कुण्डस ... द०

अमर्यत जल सऽत्य मल तुल पानस

शुद मन प्रा'विथ अल्ल मन्दरस

शोमरिथ मन थाव नोमरिथ पानस ... द०

पूजा करत, चय लोल - अस्थानस

भाव किय पम्पोष शेरि लागतस

कन्द, दुध, नाबद, खिर भरुस थालस ... द०

ओमकार रुप छय प्रत मुकामस

वन्दसय जुव जान अथ नागस

तार दिस मवसर कठिनिस तारस ... द०



माजिपूर प्रदिक्षण लीखित पुराणस  
अर्धं प्रदिक्षण दिज्ञि शिवः नाथस  
धूप, दीप, चामर जाल काफूरस ... द०

योदवय गलती गल्लान नाबकारस  
माज्य छन बुल्लान तल - कारस  
रल्लान छय सुय खासस त आमस द०

दास छुय प्रारान चानिस दासस  
मत लागतम मे अत - गतस  
दिखना दशुन क्याह रुघनाथस  
दशन चान्युक छुम म्य हावम ॥

१२. जानान वला यूर्य

दशुन म्य हावतम पान, भगवान वला यूर्य ॥  
चयय रोस्त व गोसदेवान, जानान वला यूर्य ॥

मन्थरायि मर्यनस कन, कीकिय फेरिना मन,  
मंग राजस वरदान ... भगवान

दशरथ सुन्दुय प्रण, मा'नित गोख चय वन

मन रूप हा मतवान ... भगवान



आसिम म्य कयंमत्य पाव, राजस ति ओसुय शाफ,  
ऋष-बालकुन बहान ... भगवान

राज गव चोन ख्यत गम, बुजंजाम चयय वलिथम,  
ओसुय च्य करुन पान ... भगवान

वोतुम म्य पा'गाम तूयं, लारान व आसय यूयं  
धूजिथ सि गोस हारान ... भगवान

छुक चय म्योन सरताज, शूभ्या म्य करुन राज,  
बन्तम म्य मेहरवान ... भगवान

यूयं यित म्योन लाल, प्रयमक्य मरहय प्याल,  
चतमो म्यानि, दुदान ... भगवान

राजस व मारय लथ, नेर चयय पथ कर गथ  
शमहस यिथ परवान ... भगवान

चय छुक म्योनुय होश, नादन म्य थवतम गोश  
हा प्राणन हन्दि प्राण ... भगवान

परिवार ह्यथ यिमय, मनवथ छुम निश्चय  
तत अन चोन निशान ... भगवान

सीता त व्वयि लक्ष्मण, छिय चाव पाद सेवन  
वडय जोनथस वेगान ... भगवान

यूयं ॥

यूयं ॥

मन,

वन



अंजरावान छुक न्याय, यस छय चानिय माय  
दिवान तस निर्वाण ... भगवान

दासो अभिमान त्राव, प्राव भरथुन स्वभाव  
रघुनाथ अद् यियि पान ... भगवान



### १४. बलो यूय श्री राम

बलो यूय श्रीराम ! सीता बऽ मरयो  
म्योनुय प्राण छुखा चय ॥

तन मन आयत चयय छुय म्योनुय  
पान जानान छुखा चय  
दूर्यर चोनुय ब किथ जरयो — म्यो०

कमि अपराधय ब चयय त्रावथस  
दिववुन ज्ञान छुखा चय  
पानय जानख त बऽ क्या करयो — ०

बऽ हो ददं सयतन मंज जंदेयस  
म्याज शरमान छुखा चय  
हरदनि वावय पन जन हरयो — ०



त्राविथ लक्ष्मण कुनिय ज्ञान मे गोम  
तिय ज्ञानान छुख चय  
होल गोम जिगरस लोल च्यय मरयो...म०

लक्ष्मण सोझाम त्रैशिय अनने  
कोन बोझान छुखा चय,  
बेहोश सापनिय हस छुमन जरयो ... म०

कुल्य लंजि अलोन्त आवखोर थोवनम  
मयोन ज्ञान पान छुख च्यय  
फेरि फेरि पोष प्योत्र राम राम परयो ... म०

नय रथ ड्यूठुम नय वुछ म्य लक्ष्मण  
को सोचान छुखा चय  
बय जगलस मज्ज दान कयथ मरयो ... म०

हान क्या स्वार्थम हा प्राण नाथो,  
पान बोझवान छुखा चय,  
वनचरनय मज्ज बय मा डरयो ... म०

आशा चाख छम घटि हंदि गाशे  
पान, मगवान छुखा चय,  
च्यय छस शरण चोनुय ध्यान भरयो ... म०

दास छुस प्रारान दासस तल चेऽ  
म्योन जानि - जान छुखा चय,



रुघनाथ चानि प्रथि मबसर तरयो --- म०

म्योनुय प्राण छुखा चय ॥



### १४. करयो मन-पम्पोशन मालय

करयो मन-पम्पोशन मालय, यित अज सल्लय लालो लो ।  
 यित अज सल्लय बालगूपालय, यित अज सल्लय लालो लो ॥  
 दीवकियि निश ज्ञाख कांद मंज लालय,  
 वसुदीयन रोदुख नालय लो,  
 बिन्दराबन वातनोवनख कालय ... यित०

नन्दस त जसदायि न्यन्दर प्ययि लालय  
 वसुदीवन तति थोवुख लालय लो,  
 चानि बदल कूर अनिन द्राव दूम्बालय ... यित०

जसदायि कुछि मंज रोछनख लालय  
 नाव कोरनय, कृष्ण लालय लो,  
 बाल लीला हावथस चय नन्दलालय .. यित०

कंसन धूज यलि रुदुस न हालय  
 वसुदीवस निशि आव लालय लो  
 दोपनख क्या जोव, कर्यून म्य हवालय ... यित०

अथस क्यथ कूर रटन वेददं नालय,  
धारिथ दिचन पथर लालय लो,  
वुजमल बनिथ आय कोह-संगरमालय ... यित०

पूतनायि जहर बब भरि गूपालय  
दुध चाबनि आयि लालय लो,  
अकि दाम प्राण च्यय कंडिथस लालय ... यित०

ऋष तय मुनि आय जय नन्दलालय  
बाल लीला बुद्धिथ गय निहालय लो,  
तप जप सुफल गोख, गय खुशालय ... यित०

गूर्यं शूर्यं त गूर्यं वायि सऽत्य ह्यथ नालय,  
हाबिथक कम लीलायैय लो,  
राधायि सऽतिय मार्यत छालय — यित०

दुध चूर करथ च्यय गूपालय  
आशचर होवुथ जसदाये लो,  
राक्षसन संहार कोरुथ च्यय लालय — यित०

रास - मण्डुल क्याह शूमान लालय  
बुद्धिनि आय दीव चोन खत-खालय लो,  
शुम वीला द्रायि तमि विजि लालय — यित०

यलि यलि राक्षस बडान आय लालय  
त्यलि अवतार धारान गूपालय लो  
बलबदर बोब ह्यथ करान रक्षपालय — यित०



दास छुय प्रारान त्रिजगतबालय  
 त्रावतस सोरुय मलालय लो,  
 रुघमाथ च्यय पथ गव मतबालय — यित०  
 यित अज लालय सालय लो ॥



### १५. वैष्णव देवी

हिमालय परबत चोन दरवार  
 वैष्णव दीवियि छु जयजयकार  
 शहर गाम यात्री छिय यिवान  
 कटरा वातान बड़ि शोक सान  
 बसन त काररन हुन्द वूछार — वैष्णव०  
 नम्बराह रटिथ अति खुश छु यिवान  
 सामग्री ह्यनस मज्ज करान मान मान  
 वस्तर त भूषण पोशि अम्बार — वै०  
 तति पत बाण - गंगायि छि नेरान  
 मातायि पननुय पान पुशरान  
 फुलवज क्या लगान छय कतार — वै०  
 तन नाविथ यन हथ सावधान  
 एतिकाद हथ अर्थ लुर डख, रान  
 बिजि वनान माठा दियि तार — वै०

धन - रात धति किञ्च हेख खसान  
 ग्यवान गिन्दान व्यथि क्याह नवान  
 मशरिथ सारिय पतिमिय कार — वै०

बंढि बंढि मातायि नाद लायान  
 अंस्य छिय सारिय आशावान  
 धति माय-चारुक करान व्यवहार — वै०

थख दिय दिय मोल मायि पकान  
 जायि जायि पूजा क्याह छिय करान  
 मन्दर छि बारयाह कर कत्य शुमार — वै०

मंजिलाह कडिथ अधकुवारी छि बातान  
 गभंयात्रा करिथ थख छि दिवान  
 खयवान त खयवान ह्यथ परिवार — वै०

कैह अति रोजान कैह छि नेरान  
 'हाथी - मथा' बुथि छु यिवान  
 गुल्य गण्ठि करान छिस नमस्कार — वै०

'सांजी छत' वांतिथ फक छि त्रावान  
 अति पत् 'भैरव घाटी' किञ्च पकान  
 तति प्यठ लमान छिय विस्तार ... वै०

नम्य नम्य पकान जहदी-सान  
 तिय बुल्लिथ दरबार वातिथ प्यवान  
 बुल्लान अतिचय गुफ तय गार ... वै०



गुफा क्या छय शूमायमान  
यति पान दीविय हुन्द छु स्थान  
आसबज छय सुय शेरस सवार .. वै०

ब्रह्मा विशन महीश अति रोज्ञान  
मुनियन ति बुझिथ मन छु लूमान  
बुछ धरम सालन केह मा शुमार ... वै०

अल्म क्या लछि-बज्ज छय तावान  
घण्टा घरि घरि छय वज्जान  
अति कूस इन्तजाम करान सरकार ... वै०

पऽदयव तल गंग छस नेरान  
अमयंत जल मखत्य तम नावान  
आरति करान रुज्जिथ दरवार ... वै०

शुमवेला तमिबिज्ज छि नेरान  
दंशुन करनस लूख छि प्रारान  
अन्दर छि त्रावान नम्बरवार ... वै०

दंशुन करिथ प्रदिकणस फेरान  
कनक पूर्य मोज दिथ अति नेरान  
याद छख प्यवान अद घंथुक कारो-वार ... वै०

सेध-साद नाबकार आशावान  
मा'ज छय कुनिय नजराह थावान  
कठिने भवसर छक दिवान तार ... वै०

रुधनाथ दासस तल प्रारान  
 चित् किय पम्पोश न्यस लागान  
 दंशुन हावतस छुय उमेदवार ... वै०  
 वैराग्य दीविय छु जयजयकार ॥



### १६. लुलि मंज करयना गूर

लुलि मंज करयना गूर गूर चेऽ कणदूर बहारो ।  
 सोयंव मे लोकचार बलो म्यानि बहारो ॥

माघस छु फागनुन संज, शिशिरस ति सोन्तुन टंक्क,  
 युयं यित म्यानि शेहचार बलो ... म्यानि बहारो ॥

चितरन फिर आवशार, सबजार फोल गुल्जार,  
 रम्बवनि खुशरफतार बलो ... म्यानि बहारो ॥

लालजार प्यठ गोशन, वुल्लुल ति क्या तोषान,  
 चमनन हंदि सरदार बलो ... म्यानि बहारो ॥

बहिकस ति जेठअ गत, हारन ति करनस पथ,  
 ग्रिश्मअ ति न्ययि दोहतार बलो म्यानि

श्रावुण त बहांद्रून ताम, आषिटुन ति आम पैगाम,  
 ब'हराच हंदि वुहजार बलो — म्यानि



कतकन ति दिचनम डाल, मगरन कोरुस पामाल,  
जर चाम हरदनि बाव वलो — म्यानि

कथ कुन चेऽ द्युतथम ओह, हारस मे कोरुम पोह  
लोगुथ चेऽ बेआर वलो —

यंथ गयम बाह मे पूर, आश छम मे यिहम गुर्य,  
जोनुम न ओबहम खार वलो — म्यानि

दोहस मे कोरुम शाम, लोगथस चेऽ दर-धाम  
बट कास सूम-सूर्य तार वलो — म्यानि

मस दिथ चोलहम रुव, माबिथ कमिस ह्यक बय,  
लोगमुत ब छुस गुंजार वलो — म्यानि

तार दिम मे यमि संसार चेऽ रोस कति मुकजार,  
मुकलाव खुदमुखतार वलो — म्यानि

दासस छुव दरकार, नोन चय धार अबतार  
रुघनाथनि अनहार वलो — म्यानि बहारो ॥



१७. भगवानो रोजतम सहाये

प्रारान छुस चाने दयाये ।

भगवानो रोजतम सहाये ॥

कर्मव किञ्च जीव छुय बनान, माजि गर्भस मंज छुव पलान,  
संसारचि मूह - मायाये — भगवानो०

गर्भस मंज वाद क्या करिथ, जन्मस यिथ छुस गछान मशिथय  
बाख छटान छुय कमि तां राये — भगवानो०

माऽज मोल छुस रछान लोल सूत्व,  
बंध त बांधव रिश्तदार हथ कूत्य,  
ललनावान लोल त माये — भगवानो०

मास पोफय मुष मीठय करवञ्च  
उद इम्बन्ध क्या छिस जालवण  
छिख दपान छुव सुवारक सोनये — भगवानो०

सात वुछय वुछय गण्डान  
जातकर्म करिथ नाव छिस करान  
घरि घरि बनान रछिनस दये—म०

बचपनस मंज छिस परनावान  
जान तालीम छिस करनावान  
नेरान छुय अद नौकरीये—म०

गृहस्थ पालन करिथ क्या मगरूर  
शुय बनान छिय अमिम त्रे-चोर  
माया जालस मंज फसान छुये—म०

लोक चारस मंज करान ओर योर  
खर मंघ पाठय छुय सारान बोर  
धन जेननस कुन लगान छुये—म०



यावनस मज्जं ह्यु हावान मस्ती

क्या वनाबान ह्यु रच वस्ती

रंग त रोगन करिथ क्या जाये—मगानो०

कम पदारथ ख्यवान त ख्यावान

भगवानस ति ह्यु मचरावान

सोरुय ह्यु दपान म्योनुये—म०

यावनस ति ह्युस प्यवान हावे

सा'र जवानी ह्युस गल्लान जाये

बुजरच ह्युस इवान अवस्थाये—म०

बुजरस मंज ह्युन ह्यकान नीरिथ

शुर्य त बाँचय ह्युस गल्लान फीरिथ

मद बसान ह्युस सोर मूलमाये—म०

धन-सन्तान व्ययि पुत्राधक

अज ताम कस रुदिय सादिक

यति न रोज्ञान लरि तय जाये—म०

कम्जोर गल्लिथ सोरान ह्युस आश

अञ्जनय ति कुनि रोज्ञान ह्युस न गाश

दक डुलनय क्या लगन ह्युये—म०

यति सारिय करान ह्युस खार-बाद

भगवानस अद करान ह्युय याद

नार बिजि कर खननस बोथये—म०

प्रथ तरफय क्या गल्लान छुय गीर  
याद यिवान छुस माजि हुन्द शीर  
कालय ति छस बातान वारिये—म०

सोहय वखत यलि गल्लान छुस पूर  
त्रेश त्राविथ सारिय हानस दूर  
राम रामय अद बोलनये...म०

आश सार'य छस गल्लान सूरिथ  
सूदम किच शरीरस प्राण नीरिथ  
दभिंगासस प्यठ थावनये...म०

बाख त्रावान नालस दिध चाक  
हाव'माबय बुथिनय मलान खाख  
टाठि लाल असि चोलुख त्रा'वथये...म०

नाल पलव कडनम सा'रिय  
श्रान करनस टाठय व्ययि अटाठिय  
जाम बलिथ थावनस शायै...मगवानो०

तखतस प्यठ थावनस साविथ  
राजकट सय्य पाठय अट करिथ  
शेव-शम्भु बोल बोलनये ... म०

जान नाकार कोरमुत यि आसान  
अमि बकतय छु गंजरन यिवान  
केह बनान जान ओस धरमिये...म०



ज्ञिअ-त्रनि प्यठ बार पाठय थाविथ  
 सिरयि दशुंन वति करनविथ  
 नार दिनसय अथ कायाये ... म०

तपंण करन अथ-बुथ छल्लिथय  
 मगवानस कुन ध्यान धर्यथय  
 माय त्रा'विथ जालन छाये ... म०

रुघनाथो बेहतो शमिथय, दास मावय रोज्जो नमिथय,  
 त्राव सोरुय केह मथाव वकाये  
 मगवानो रोज्जतम दयाये ॥



## १८. पान पर्जनाविथ

संसार निश रोज्ज ममता त्राविथ  
 पान पर्जनाविथ बातुन छु तोर

यति आख तोत गछुन आखरकार छुय  
 काल शहमार छुय जन्म-जन्मस  
 दान दान मुच्चिय क्षण राबराविथ ... पान०

सन्तान बाय बन्ध मतलब यार दिय  
 ज्ञानतो सवार छुय पापुन बोर  
 कर विचार पान रोज्ज पान लबि थाविथ...पान०

त्रिय सन्तान ज्ञान अपुञ्ज व्यवहार छुय  
 मुह अन्धकार छुय बुद्ध प्रकाश  
 अन्त कालस रोज सु स्वरूप प्राविथ ... पान

मनि अन्दर परमानन्द थान छुय  
 साद-संगच किञ्च तत् प्रकटाव  
 गुर-अनुग्रह चक्तिपात वुज्जनाविथ ... पान०

मिथय,

अनाहत् शब्दुक साज सेठार छुय  
 ओम् सोऽहं हंस नादक डोल  
 धारनावि वार रोज द्वार बन्ध थाविथ ... पान०

शिव-शक्ति दर्शनुक व्यय अधिकार छुय  
 पोञ्ज भाव योद छु त, अद प्राबल  
 मन आदर्श थव मल तुलनाविथ ... पान०

आधीन बनिथ तीजोवन रुघ, छुव  
 दर्शुन हावतम प्राव मूक्षधाम  
 दीन-बन्ध ! रोजहा व, तनमन नाविथ ... पान०

पान पर्जन्याविथ वातुन छु तोर ॥





आवागमनस कुन्य मा छु छयन  
१६. मन सुरतन हरे नारायण

युहोय  
युहोय  
युहोय

माथा च ज्ञान आसवज छे छाया  
छायायि दपान छिय काया  
जांघबोल कुस ? यि सिलसिल छुय जानुन ... मन०

यि चे वृजुथ त, तिय वज डीशिय  
क्याजि गछान छुय चे तिय मशिय  
घरि घरे दिवान छुय चेनवज ... मन०

काम क  
वासना  
भावना

भक्तिस दया पानय छु छारान  
तोरय तस मेलनस छु लारान  
लछि मंजय अकिस छुय चारान ... मन०

मगवानस कुन कड अख कदम  
दह कदम तोर पान यियि यकदम  
गीतायि मंज बखनोव कृष्णन ... मन०

सुलि गंगायि हुन्द कर दशुंन  
अथ पाद छल चय रठ प्राण मन  
आन सन्ध्या करिथ कर च तर्पण ... मन०

आध दीव गणपत जी कहन याद  
नम गुरदीवस छल वज पाद  
ॐ नमः शिवाय पर क्षण-क्षण .. मन०

न ज्ञान  
माऽजय

युहोय छुय धन-धार युहोय छुये बन्ध  
 युहोय छुय मनि अन्दर अन्दबन्द  
 युहोय छुय पानय ह्यरि तय बुन ... मन०

यम नियमस प्यठ रोज थव कल  
 शम दम तप सयत्य पाद गछि फल  
 'हरे हरे' तूल्य तूल्य नेरन अद मम ... मन०

काम कृब लुम ब्ययि अहंकार  
 वासनायि त्रा'विथ छुख च मुखतार  
 भावनायि सयत्य कर च विष्णापन ... मन०

रुघनाथ डंजि रुज्जिथ थाव मन  
 दास मावय चय कर सुमरण  
 द्यव यिन गछनस चे गछिय छयन ... मन०  
 मन सुरतन हरे नारायण ॥



२०. दामन, रोट म्य चोनुय

त्राविथ यि सोर सामान  
 दामान रोट म्य चोनुय ॥

न ज्ञान पाठ पूजा, न ज्ञानय श्रान सन्ध्या ।  
 माऽजय छुसय अनज्ञान ... दामान०



जान नाकार छुम वय, तोति माऽज वन्द चोनुय  
मत जानतम म्य वेगान ... दामान०

योत यिथ कर्यम न रत्य कार  
खारिम म्य पापच बार  
पस गोस आसिथ जानान ... दामान०  
(ओसुस ना व जानान०)

अज ताम कोरुमन पाबाय  
वज फीरम म्य चाव माय  
बल्लशुम म्य पनने - पान ... दामानः

दितम च अल्लनय गाश  
व्य रोस म्य कांसि हज न आश  
अथ डालतम चलयम हान ... दामान०

मक्तिरसकुय अल्ल म्य दाम  
चावतम पुक्त बनि खान  
तमि सय्यिन बडयम शान ... दाम०

माऽज रोजतम अनुकूल  
मंसारुक चत्यम शूल  
तुता कर व, पाच पान ... दाम०

रुबनाथ क्या छे ब'ड कथ  
दासस तल बन्यस गथ  
शमहस यिथ परवान ... दाम०

चोनय

## २१. क्यानि चोलहम

मनि मंज करयो व, जाय लोलो  
क्याजि चोलहम म्यानि श्रीराम लोलो ॥

मानः

अछ फूरम बेकरार सपटुम दिल  
वूजथ गोम मुश्किल शेल्ल वांचम दिल  
ओसुस व, मातामाल लोलो ... कय०

वूजथ यूयं लारान आमो ग्यूर  
हाल वुछियथ जिगरस गोमो सूर  
यति गोमुत ओस सुन-सान लोलो .. कय०

दाम०

मन्थराये कीकिय फोरमुत मन  
मंग राजस वरदान चय वुञ्जयन  
वुछ चे नेरिय सोरुय अरमान लोलो ... कय०

राम वनवास सोंजोन चुदाहन बयन  
गछि रोजन वन सुय वार थाव कन  
अद मरतस केह न परवाय लोलो ... कय०

राज दशरथ वाद गोमुत कयंथय  
बिहर (विरह) चाने ओस गोमुत मयंथय  
यंष शापुक ओस बहान लोलो ... कय०



वाद पोलुथ मानिथ करथ इकरार  
 मर्यादा थावथ च्यय वरकरार  
 पान भगवान छुक अवतार लोलो ... क्य०

सीता माता सृत्य ह्यथ बोय लक्ष्मण  
 बुर्ज जामथ वलिथय गोमुत वन  
 लूक पामन थावथम म्य जाय लोलो ... क्य०

च्यय रोस्तुय सोरुय छुय यि असत  
 राज ताज म्य केह छुम्न हाजत  
 त्राव सोरुय त नेर च्यय पत लोलो ... क्य०

मन, नाविथ यूयं अनथ क्या छे बड कथ  
 समहस प्यठ परवान यिथ करान गत  
 ह्यथ व यिमय सोरुय परिवार लोलो ... क्य०

ओश हारान द्राव मरतुय वन कुन  
 मातृ मावाह साबित कयथुय द्युतुन  
 तोत वातिथ माय रोट नाल मति लोलो ..

वन (हा) ततिकुय य हाल केह छुम्न ताकल  
 वुछत कलमन ति मे क्या ह्योतनम पथ  
 अति ज्ञानवान ति गय हारान लोलो .. क्य०

दिलास दिथ मरतन त्यलि मोनुन  
 वाद ह्योतनस यलि भगवान जोनुन  
 द्युतुस तम्य पनुन निशान लोलो ... क्य०

खाव बिचनस अद तति वापस आव  
 चुदहान वर्यन तखतस थावन खाव  
 राम सुमरिथ राजाह कोरुन लोलो ॥ क्य०

रुवनाथो हावमाव यलि त्रावख  
 त्यलि भरतस ह्य स्वमाव प्रावख  
 अद श्रीराम त्यलि करिय साल लोलो०  
 क्याजि चोलहम म्यानि श्रीराम लोलो ॥



[रामायण एक श्लोक में]

आदौ राम तपोवनादिगमनं हत्वा मृगं काञ्चन  
 वैदेहीहरणं जटायुमरणं सुग्रीवसंभाषणम् ॥  
 वाली निग्रहणं समुद्रतरणं लंकापुरी दाहनम्  
 पश्चात् रावण कुम्भकर्णहननं एतद्धि रामायणम् ॥



२२. श्रीराम वापस अयोध्या में

सारिय नीर्यंतव लोल त मायि लोलो ॥

आव श्रीराम अजोध्यायि लोलो ॥



राज हुकुमय गोमुत आसुय बन  
 चोदाह वरीह पूर गास असि निश छयन  
 बुद्ध - जाम, बलिथ ह्यथ लन्नमण लोलो०

राज दशरथन कीकिय वाद दिथय  
 वाद पा'लिथ तिथय सु गव मरिथय  
 मन्थरायि हुन्द ओस वहान, लोलो०

पान मगवान अवतार छुय आमुत  
 राज दशरथस कौशल्यायि जामुत  
 पृथिविय मोर वालनि आव लोलो०

भरत जियन पान मगवान जोनुन  
 भ्रातृ-मावा प'ज्य पा'ठिय होवुन  
 ताज त्राविथ राजा कोरुन लोलो०

बोज बन मंज कार कम कयथय आव  
 मर्यादा पुरुषोत्तम (तवव) प्योस नाव  
 द्युतन मुनिय यंषन विस्तार लोलो०

बुद्धत रावणस हव रोस गव अहंकार  
 मद बोलुन मा'रिथ लोभुन मूछडार  
 लंकावि सान कोरनस सूर लोलो०

चोदाहि बहुय बन मंजय फीरिथ आव  
 बलि वालिजि कयंतोस सा'रिय माव  
 अज स्त्रिय खोत असि पूर - पूर लोलो०

करिथ मेहराव शुभराविव बाजार  
जल सम्यतव मशरिथ सोर कारवार  
राम - रामय परिव प्रथ जायि लोलो०

यिय वृज्जिथ डीशिथ द्राय सा'रिथ  
अथि पम्पोश ह्यथ रूद्य चोपारिय  
मरिथ लोलाह रूद्य सीबायि लोलो०

रुघनाथो दास-माव थाव पूरिपूर  
बोजे भरतस श्रीराम पान आव तूर्य  
मन शोमरिथ राम राम जप लोलो  
आव श्रीराम अजोध्यायि लोलो ॥

श्रीरामराम रघुनन्दन राम राम  
श्रीराम राम धनुजातक राम राम  
श्रीराम राम रणकर्कष राम राम  
श्रीराम राम शरण मव राम राम



### २३. मंजल्य लीला

ही गोविन्द ही गोपाल लोलो  
मनि ललवथ करया गूर गूर लोलो



दीवकियि मातायि निश कांद मंज जाक  
नन्द गोरिनि घर मंज नोन च्यय द्राक  
स्वर्ग द्वार छु बिन्दरावन लोलो०

ऋष तय मुनि सार्य कया लग्य बिसने  
वेष धारिख बाल लीला आय वुछने  
तप त जप कया गोख सुफल लोलो०

कंसन शेछय वूज यलि, रुदुस न ह्यस  
कौमारी जायि निश वसुदीवस  
ह्यचिन मारज बनेयि वुजमल लोलो०

आकाश वाणी कंसन यलि वूजय  
दोपन चोम घातक बिन्दरावन बोतुय  
मोटुस तोपुन होशिसुय डोलयि लोलो०

दुध चार्वनि पूतना तूर्य सृजनस  
अकि दामय श्यामन प्राण केडयनस  
दिषताहव पोशिबशुन कोरय लोलो०

राक्षस त दूत कम कम वातिय  
कृष्णनि अथ मऽर कया गय मूझिय  
हद रस्यतिय मद कूत्य बथिय लोलो०

वुछत यन्द्रस कया गव रुदुस न बूध  
त्रोवुन गूर्य बालकन कहरुक रुद  
तुलन किसि प्यठ गूवधन त लोलो०

बल्ल गूपियि जमनायि भंज आनस  
तन नावनि मनवनि भगवानस  
राधायि हुन्दि मणिकनदूर लोल०

रास ख्यलुन गूपियन करिथ अथवास  
बुछने आय देवता नारुद त व्यास  
शुभ वेला तमि बिजि द्रावि लोलो०

यलि पृथिविय खसान पापञ्च भार्य  
त्यलि भगवान धारान छुय अवतार  
पान भक्तयन करान छु रत्नपाल लोलो०

रुघनाथो कृष्ण जपान रोज  
दासस तल लागुस साज तय सोज  
चव फलनय च्यति गुल्जार लोलो  
मनि ललवथ करयो गूर गूर लोलो

जयतु-जयतु देवो देवकीनन्दना यः  
जयतु जयतु कृष्णो वृष्णिवंश प्रदीपः  
जयतु जयतु मेघश्यामलाङ्गोऽमलाङ्गो  
जयतु जयतु पृथ्वीभारनाथो मुकुन्दः ।

ॐ तत्सत कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ।



## २४. कृष्ण देशोम

अल्ल व'टिथय कृष्ण म्य देशोम  
 अल्ल मुचरिथ कोत सना गोम  
 मनि मंजलि म्य ललना व्योम ... अल्ल

दीवकियि निश वसुदेवलालय  
 ज्ञाव कांद मंज, द्राव काल्यकालय  
 पृथिवियि हुन्द मोर बालनि गोम ... ०

नन्द-जसदायि मोरनय म्या  
 बाल -लीला तिमन हावनि आव  
 बिन्दरावन शूमरावनि गोम ... ०

बुछत तति कम कम कर्यनय कार  
 पान आमुत ओस कृष्ण - अवतार  
 गूकल मंज म्य छाडना व्योम ... ०

हृद र'स्य गय राजस बुर्वाद  
 कर्यन संसार निश आज्ञाद  
 कंसस तूर्य पान मार,नि गोम ... ०

अकि दाम गयि पूतना मयंथय  
 आस आमच जहर बब मयंथय  
 पान मक्तयन सुख दावनि गोम ... ०

गूपियन सय्य खेल मारान ओस  
 शुरिनय सय्य गाब रछान ओस  
 राधायि सय्य राम खेजनि गोम ... •

दूर्य वघ कयथ बा' चालय  
 गूर्य यितमो म्भानि रक्षपालय  
 दुःख दोघ म्य कूत्य व्यतराव्योम -- •

चानि वेरि कयय पान कोरुम - अपण  
 वघ कात्या बदलाव फयरन  
 मावनाये मन शोमराव्योम ... •

सर्वव्यापक छुक दपान पानय  
 रछवुन छुक त बां कया ज्ञानय  
 ज्ञाण वाल्यन निश पानय गोम -- •

रुघनाथो गछुस शरणय  
 योद फेरन कात्या करणय  
 दास माबय गछ करान चय काम -- •



कृष्णाय वासुदेवाय देवकीनन्दनाय च  
 नन्दगोप कुमाराय श्री कृष्णाय नमो नमः ॥



## २५. टाठि लालो

यच काल गव म्य प्रारान यिखना ।

टाठि लालो दर्शुन दिखना ॥

नाद लायान खुस लोलहतिये

सोर स सार चाविथ पतिये

पायि थदि म्यानि पायस यिखना ... ०

दूर्यर चोन यथ वा चालय

जल यितमो म्यानि रक्षपालय

दुख त दोद्य म्याच कासान यिखना ... ०

छुक च म्याचन आशन हुन्द ओश

दर्शन चानि क्या खसि म्य बोश

घोष आविथ होश म्य दिखना ... ०

अछ लोसम वत चानि छारान

बुक बुक ओश अछवय व हारान

माय छम चांज मुख हावखना ... ०

आसवुन छुक चय हनि हने

मनि आसिथ यित् म्य वने

कम क्या गळिय सन्मुख यिखना ... ०

पाद  
मनि  
दास

कथा च यिखना अज म्यानि खालय  
दुध हर किय मरयो प्यालय  
मलाल त्राव दामा चखना ... •

पाद सीवय बजि भावनाये  
मनि - पम्पोश लागय शेरे  
दास छुस चोन वासा करखना...•

दाम भाव छुस रुघनाथ गाराम  
व्यन पम्पोश मादल चारान  
प्रारान छुस चय लारान यिखना  
टाठि लालो दशुन दिखना ॥

खना ... •

### श्रीमद्भागवत एक श्लोक में

आदौ देवकि-दव गर्भजननं  
गोपीगृहे वर्धनं  
माया पूतन जीवतापहरनं  
गोवर्धनो धारणम् ।  
कंसच्छेदन कौरवादिहननं  
कुन्तीसुता पालनं  
एतद्भागवतं पुराण कथितं  
श्रीकृष्णलीलाऽमृतम् ॥



## २६. माऽज्य जाला

पस छिय गामत्य यियतनय आर ।  
माऽज्य जालायय बोज साध जार ॥

हार चुदाह कया छय मशहूर  
मक्तिजननय निश मा छय दूर  
बुछ खिव कया लगान छुय दरबार ... ०

श्राना करिथ ओमचे जेरे  
मन शोमरिथ कया खसान हेरे  
मशराबिथ सोरुय कारोबार ... ०

कन्द नाबद बसतर त भूषण  
पोशि डाल्या ह्यथ कया छे तोषन  
हावि दशुंन करि अङ्गीकार ... ०

छिय माऽज्य आमित चानि वेरे  
सोरय अरमान बव असि नेरे  
कम कया गछिय छक चय मुक्तार ... ०

ज्योति स्वरूप छख मुख मंजु दामच  
जगि बोर चय बालनि आमच  
ज्वालामुखी नाव चोन छुय शूमिदार ... ०

चय शेला छख चय चण्डिका  
 चय शारिका व्ययि छख शारदा  
 चय सरस्वती छख दिवान पुरस्कार ... •

चय गंगा व्ययि यमना छख  
 कालिका नाव स्यद्ध लक्ष्मी छख  
 चय नवदुर्गा दिवान मूक्तद्वार... •

चय यष्ट दीवी राजा छख  
 चय शुत्र घातिनी सबंदा छख  
 मायनय शत्रन करान संहार

रुघनाथ डेडितल करान इम्तिज़ार  
 अञ्जलि गंडिथ क्या छुय उमेदवार  
 यमि अवलनि मंज दित वध तार  
 माज्य जालायय वोज मान्य जार ॥



### २७. अमरनाथ यात्रा

सुलि बक्ता यिन गछिय जाये ।  
 गछ अमरनाथ कर यात्राये ॥

ओम् गणपत जी सुन्द कर्यथय ध्यान  
 गछ शुराहयार कर तति श्रान तय ध्यान  
 नम शंकराचार्यस त व्ययि दुर्गाये... •



पोम्पर चि बति व्यजिबोर क्यां छुय न्यूर  
तति चछ धरस दिजि पूरि पूर  
नख च्य रोजिय डखि तय दाये...०

नेर अन्नतनाग मदन नक्षदीक छुय  
मुक्ति लमख सिरयि बल कयथय च्य  
पान वोनमुत छुय मगंशाखाये...०

वति जाया नाव तत आशमुकाम  
पत मामलीश्वर सुन्द परमय धाम  
सरकाय इन्तिजाम नोनवन क्रया जाये...०

वातिय पहलगाम थक फक त्राविथ  
रोज गणशिबल दशुंन च करिथ  
शिव-शम्भु मनि थव राये...०

यलि फुलनि ह्यन सगरमालय  
नेर चन्दनवोर वुछ कोह त नालय  
पिश बाल खस रायि त त्रावे

वस शेशनाग मंज कर च्य श्रान  
तपण करिथ बनिय च्य कल्याण  
रोज वावजन भक्ति भावनाये...०

वाव बाल किञ्च वथ कथा छुय ज्ठीठ  
महागुनसे खसनुय छुय कूठ  
बोल शंकर, करिय रत्ताये

पां छुय न्यूर

ये...०

पांछ नदियि छय मयंज्यन गम  
पचतरणी नाव अथ छु संगम  
तीर्थश्रान कर च वजि भावनाये...०

अद्य अद्य खस भैरव - बालस  
वार वार चय वातख मुकामस  
बुछ अमरावती मज शीनमाये •

म  
म  
जाये...०

तन नाव मन थाविथ साबधान  
माया त्राविथ छयाये ज्ञान  
मथ भभूती अथ कायाये...०

बिल त मादल विन मनि पम्पोश  
लाग शंकरस थाविथ ह्यस होश  
मन शोमरिथ अछ गुफाये...०

लय

अमृत जलस लिंग छिय बनान  
बुछजि वार पाठय शिव छुय सनिधान  
युद्धोय अमरनाथ करि असि सहाये...०

जगत् ईश्वर त्रे कारण छु सामी  
तवय बापत महेश्वर नाव नांमी  
कर दशुंन लोल तय माये...०

जीठ

जीव रूप छुस तमि किष नाव कूत्या  
सत चित आनन्द शुद्ध भाव परमात्मा  
मनि मंजय करुस च जाये...०



ओर फीरिथ वार बात थजबोर  
दशुंन कर थविथ च न्यथ गोर  
छोटा अमरनाथ छुय बनान आये...०

नवदल करिथ यात्रा सुफल  
जम्मच चलान सारय वदल  
पितृ श्राद्धा कर च श्रद्धाये...०

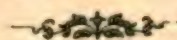
भगवत नाम मनि मंज छुय गुप्त  
कुनि बाजार मोल्य हगोन छुय मुप्त  
पर क्षण क्षण उँ नमः शिवाये...०

रुघनाथो दास भावय च सुर  
शिव-शंकर अमरेश्वर पर  
शान्त स्वभाव मनि धारणाये...०

गलती माफ योद गोम केह भूल  
युस परि तस अछनुय चलि शूल  
पननि पान शंकर करि उपाये  
गछ अमरनाथ कर यात्राये ॥

ॐ नमः शिवाय श्वाश्वताय  
शकराय शम्भवे ॥३॥

यह तन यम मन हुए न अपना  
यह सब माल तुम्हारा हैं  
जब चाये तब तू ही लेवे  
कुछ जोर नहीं हमारा हैं



छुम य  
कमजोर  
छुस व

क्या क  
पर्य-पर्य

छुम डर  
छुम ल

बोनमुत  
मलचर

जल ज

आशाव  
दया कर

छुस ना  
मोकला

च मय

## २८. लोलुक - जर

छुम होल गोमुत लोलुकुय जर  
 छुम न बलअनि छुम न बलअनि  
 हय क्या ब कर मल छुम मनस  
 युस न चलअनि युस न चलअनि ॥

छुम यी कपालस लिखिथय-तय भूग भूगि आस तंग  
 कमजोर जिगर गोम मय सोयर - सोयर छुस ब अलनि  
 छुस ब अलनि

क्या कम गलि यम हलि अक्षर-योद सद मय करख चय  
 पर्य-पर्य पथर गोमुतय बय - छुस न नर्मनिय छुस न नर्मनिय

छुम डर म सठाह कर क्या ब-हावतम रऽब वथ  
 छुम लरज चामुत हरद वावय-पान ब हरअनि पान बहरअनि

बोनमुत च पानय विम शरण यिवान मय कुन छिय  
 मलचर जि मनन हुदं तीमन-जल-जल ब छलअनि  
 जल जल ब छलअनि

आशावानन हंद अऽश गाश म्याने चस  
 दया करतम तीहंदय पासय यिम च सोअरनि यिम च सोअरनि  
 छुस ना ब पथर प्योमुतय बऽन थोद मय चीब तुलतम  
 मोकलाबतम मोह - जाल कासतम - च मय नादानी  
 च मय नादानी ॥



ओसुक कुनुय तय छुख कुनुय आसक च कुनुय - निब  
कांह छुनय चय हुय नय चय थोद कांह छुख च लासअनि  
छुख च लासअनि ॥

दातो च पनुन वाद चित्तस - पाव सोहन दथ  
रुधनाथ सुन्दुय ध्यान सो, र गाछ तार तरअनि ग छ तार  
तरअनि ॥

ॐ हरे राम

## २६. 'आराधना'

मोख मय हवतम सुदर्शनय

बलयो चानि दशननय ॥

सार उपनिषद गाव रूप गोता

दोयतस अमृत श्रीकृष्ण दाता

सुय दौद चोवथन वोद अर्जनुय ॥ बलयो — ०

क्या कम गछि मेत चाव अक दोमा

गरि गरि बोलहा श्याम श्यामा

दऽवि बऽति तरहा अक्य क्षणाय ॥

भक्ति - भावनाय यिम अक लटि म कुन

तिमनिय निशि छुसन कुन बिबि बयोन

बोनमुत पान छय हो निरजनय ॥

वासुदेव - हीवकी जाख कृष्ण गभदरों

नंद - जसुदाय रोछुक कोछ अन्दरों

बाल - लीला हवथक ब कोताह बनय ॥

राधा सीत सीत मारयथ जालय  
गूर - गूर त गूर - बाय रटिथ नालय  
थन - चूर क, रि क, रि रास खेलनय ॥

जय - जय भविनय चय गोपालय  
भक्तितन हृदे रखपालय  
कंसस माखन ही नंदनंदनय ॥

द्रोपदी नाद दीतुय दारिका वासी  
यलि दुशासनन हच नंग करनि  
वस्त्र सूजथस तथ छन छनय ॥

सोदामस चन - फोल खटनस क्या फीयूर  
इरिद्र - भावन ओननस गयूर  
भावकुय सीयुर खयथ जि मकलोववनय ॥

कर्मव अनुसार माज प्योस थनय  
समसार आवलिनस मज आस हनय  
यन आम बुजर तय याद प्योहम तनय ॥

बौद्ध छम न वातान छसय ब अनजान  
थोद छुसन कंस सीत कर मान मान  
अथ छोन त नेथ - नोन छुस निर्धनय ॥

रघुनाथ प्रारान शुभ दर्शनस  
दास भाव चय कुन धवथ हस  
तार दिम भवसर ही जनादवंय ॥  
बलयो चानि दर्शननय  
ॐ अंत कालि जनार्दना



## ३० ' प्रार्थना '

हट वासुक जट गंगा जञ्जरी  
शिवजीओ लगयो पञ्जरी ॥

हेमालस पञ्जठ चोन आसन  
भक्ति जनन्य मनि छुख मासन  
हथ उमा नोन चोपञ्जरी ॥ शिव जीओ लगयो पञ्जरी ॥

नग भस्मा अगन छुख मलिथिय  
मृग चम, मा तनय छुख बलिथिय  
कासवुन छुख सारनीय खञ्जरी ॥

आदि दीव युस गणपत कुमार  
प्रथ यज्ञनस मंज छुख आदिकार  
गुरु अनुग्रह यस आसि जञ्जरी ॥

फेरवुन छुख चय हनि हने  
मनि असथ यत मय वने  
वषम बाहन सोत हथ हारी ॥

कया चय यखना अक लटि सालय  
कद नावद बरमय थालय  
भक्ति - वत्सल ही जटाधारी ॥

आदि - अन्त चोन कञ्जमसना जोनुय  
नजि नोव कांह नजि छुय प्रोनुय  
श्रेष्ठ सथल छुख करान समहारी ॥

आशुतोशय नाव सीत टोठान  
बुछत मुनियन त मन छय लुमान  
यम टअठ छिम बन्दयो सअरी ॥

मसतान छुख वेपरवाये  
अथ रूपस बुछने आये  
निथ पुजान छय विचारी ॥

खोश सपदान छख अक जेरे  
मनि पंगोश लागय शेरे  
बालान ख भपापयन बअरी ॥

गंग जल मंज यम करन आन  
तपंग सीत बअतर छीब तरान  
यन-गछनय मोकलान बअरी ॥

सन्मुख यिम नेत्रण दीम गाश  
बन सुरीहत बस छम चअन आश  
तार दीतम यमय समसारी ॥

दासन हुंद छुख हितकारी  
रुघनाथस त दीत अनवारि  
मचराव तस बरनयन तअरि ॥

। शिवजी लगयो पअरि ।

❀ ॐ शुभं अस्तु सर्वं जगताम् ❀





## ३१. स्वामी कराल बाब की सेवा में

२ फरवारी १९८४, उदमपुर

पान बथरय छुख थदय पाय

बब सानो रोजतम सहायो ।

मंज टीकरय, नोन छुख द्रामुत

आमुत छुख, चय अबतार

पान योल्लमुत मऽज राजनय ॥

कराल गोंड जाख छुख निश्वन्धनय,

अथ डोलनय पान नंदनंदनय

मन मंजय रोटथन शाये ॥

कराल बबय दीतुनय खताव

दर्शुन हाव गमत छय बेताव

वत चाने अस वुछान आबे ॥

सोनमुख यिथ दीतऽ आशीवाद्

यीन सीतय मन अस गल्ल शाद्

वल्ल वनज माव बरान आये ॥

पज भावय कोरुख अस याद्

चानि यन सीत खान गव आबाद्

दूर गय सन सरय दुदंशाये ॥

आसन दीथ वज भावनाये  
मन पंपोश लागोब शेर  
मंज हृदयस अस करय जाये ॥

ईक दष्टि छुख बुछान सारनय  
न च गैर कांह न जि छुय पननुय  
मट च सेरय छीय हितमतये ॥

क्या च यखना बय सान सालय  
खीर खंडय बरहोय थालय  
पाद छलय वज भावनाये ॥

दाम भावय रघुनाथ छुय अब  
पान सहायक रूजित छस बब  
अंजलि गडिथ हथ सिवाये ॥  
बब सानो रोजतो सहाये

ॐ शिवं अस्तु सर्वं जगताम् ॥

प्रस्तुतकर्ता अन्जू कौल





सर्वोपनिषदो गावो दोग्धा गोपाल नन्दनः ।  
पार्थो वत्स सुधीभोक्ता दुग्धं गीताऽसृतं महत् ॥

अर्थ :-

छि मिसलि गाव सार उपनिषद ।  
ति श्री गीता छय श्रेष्ठ अमृत अमिस दौद ।  
अमिस वोछ तेज फाहम अर्जुन छु चनबोल ।  
ति दायनस श्री कृष्ण भगवान हेन बोल ॥

ॐ कृष्णं वन्दे जगद्गुरु





रग रोस्त वेरंग कति छारन तय  
बन्तय सु नुन्दुबीन बोजि ना म्योन

यतियय फीरस जगलन कोहन तय  
फीर्य फीर्य फ्युर गोम त फेर ह्य आम  
नेरना व्यन्दरि हत्त अडरातन तय...बन्तय०

लोल लुलि लालवन थाविना कनतय  
मुलि चीर्य कुनि शायि ह्यमहस माम  
पोष वथरस लरि सावस मनतय...०

बूज्य बूज्य बोजवुन ति छुम्त बोजतय  
लूर्य लायुन गोम लोल ह्य आम  
मेरे डेजि गण्ड ज्ञन मुचरावन तय . ०  
पांटयदार पलंगस वथरस सुवतय  
जालार मुक्तुक अजल्यन ताम  
चारि थव्य थव्य छुम चूरि रोजनतय...०

दिमहस आलव बुथि छुम वनतय  
वाल्लिज वाचम हिरिसय ताम  
दम्फुटय गगस छुम अन्दरिय दमतय...०

वन कस युथ ह्य कस सना गयवय  
सत्य सत्य आंसिथ ति द्रेण्ठनय आम  
वुजमलि खेला करनम ज्ञनतय ...०



कुनिरुक् ननिराह कुनि छन हनतय  
करार कुनि छन्त वोत हय शाम  
प्रार्थं प्रार्थं प्रार्थिथ तीति प्रारनतय...०

निश वातिथ प्यव सुरधत जनतय  
नत क्रयाजि गछिहेम पुक्तस खाम  
ओरय आलव त ओर योर कनतय...०

यारबल काकचव कछहस कलतय  
अथ मज बाज गोम अथ प्योम जाम  
वुठसय लागिथ थफ दिचनमतय...०

वच केह कर वथस्य कति छारनतय  
हुकिहय आवमा छायि गित्य करान  
छायि गितिनय मंज ज्यफ ह्यथ जनतय  
वन्तय सु नुन्दबोन। बोजि ना म्योन।

रामनामजपतां कुतो मयं  
सर्वं तापशमनैकभेषजम् ।

पश्य तात मम गात्रसन्निधौ  
पावकोऽपि सलिलायतेऽधुना ॥  
(प्रह्लाद अपने पिता से कहता है)

जानकीनाथ कौल 'कमल'





रघुनाथ कौल  
मिलने का पता :- 'कौल निवास'  
ब्राह्मोयार, हब्बा कदल ।

---

Printed at : Bnsi Art Press, Sgr.

---